जय गौरी नंदन कल्याणकारी

जय गौरी नंदन कल्याणकारी
==========
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी, भक्त जनों के, सदा हितकारी ॥
*शँकर के तुम, आँख के तारे, पार्वती है, माता तिहारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

जय गणपति, जय गणराजू, मंगल कर, सदा शुभकारी।
*जय गज़ बदन, बुद्धि विधाता, सिद्धि बिनायक, है सुखकारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

स्वर्ण मुकुट है, नयन विशाला, माला सजे है, गले में तिहारी।
*तन पितांबर, साज रहियो है, तीनों ही लोकों में, जय जय तिहारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

जय एक दन्ता, जय भगवन्ता, रिद्धि सिद्धि के, आप दातारी।
*वक्रतुण्ड तेरो, शुचि सुहावन, भाल तिलक, बड़ो मन भारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

गज़ रूप तेरो, बड़ो सुहाए, गौरी नंद चार, भुजा के धारी।
*मोदक भोग, सुहाए तो को, छोटो सो मूसो, तेरी सवारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

बल बुद्धि, विद्या के तुम दाता, भक्तों की विगड़ी, बात सँवारी।
*बुद्धि का तुमरी, तोड़ न कोई, तीनों ही लोकों में, जय जय तिहारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

जय विघन हर्ता, मंगल कर्ता, गौरजां माँ के, लाल दातारी।
*नंदी भृंगी तेरी, आरती गाएँ, सारे कैलाश पे, जय जय तिहारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

पुस्तक पानी, कुठार त्रिशूलम, मोदक भोग, तुम्हें सुखकारी।
*पान चढ़त है, फूल चढ़त है, मेवा और, मिश्ठान की थारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

शँकर सुवन, भवानी नंदन, गौरी ललन जय, जय हो तिहारी।
*रिद्धि सिद्धि तोहे, चवर ढुलावें, अति शुचि, पावन मंगलकारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

बुद्धि मता की, कथा सुनाऊँ, कथा सुनाऊँ, बड़ी सुखकारी।
*ध्यान लगा के, सुनना भक्तो, विगड़ी बात, बनेगी तुम्हारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

कार्तिक बड़े हैं, गणेश हैं छोटे, दोनों भाइयों में, प्रेम था भारी।
*पर होनी कोई, टाल न पाया, एक दिन प्रशन, उठा यह भारी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

एक विवाद, कैलाश छिड़ा था, छिड़ा विवाद, बड़ा था भारी।
*कार्तिक गणेश में, कौन बड़ा है, बुद्धि मता में, कौन आगाड़ी।
जय गौरी नंदन, कल्याणकारी,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31836/title/jai-gauri-nandan-kalyankari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |